स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटि एज्यूकेशन
आदर्श विद्यालय योजना

राजस्थान

DRAFT

बुनियादी अवधारणाओं एवं
दक्षताओं पर आधारित

विशेष अधिगम समर्थन सामग्री

2016-17

विषय : हिन्दी

कक्षा - 3

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद्
माध्यमिक शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार
बोध शिक्षा समिति एवं यूनिसेफ द्वारा विकसित

सहयोगी संस्थाएँ

निदेशालय-राजस्थान

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

बोध शिक्षा समिति

यूनिसेफ, जयपुर

शिक्षण सामग्री का इस्तेमाल सुझाव एवं सामग्री

1

बच्चों के साथ विशेष अधिगम समर्थन सामग्री को इस्तेमाल करने से संबंधित सुझाव

- विशेष अधिगम समर्थन सामग्री के प्रयोग करने के दौरान भाषाई चारों कौशलों पर कार्य किया जाना आवश्यक है।
- प्रतिदिन की जाने वाली गतिविधियाँ कुछ इस प्रकार से संरचित की जाएं –

कौशल / गतिविधि	समय	निर्धारित कार्य
पढ़ना	10 मिनट	संबंधित शब्द, वर्ण, वाक्य कविता, कहानी आदि।
बातचीत,उच्चारण संबंधी ऑडियो सुनाना एवं खेल	10 मिनट	स्तर के अनुसार खेल – वर्ण / शब्द / वाक्य – कार्डस्।
लेखन	15 मिनट	संबंधित कार्यपत्रक, संबंधित शब्द / वर्ण / वाक्य आदि का श्रुतलेख।
किए गए कार्य का समेकन	05 मिनट	बच्चों के साथ किए गए कार्य की स्थिति पर बातचीत करना।

- जिस भी अवधारणा पर कार्य प्रारम्भ करने जा रहे हैं, उसपर पूर्व में मौखिक बातचीत, आवश्यक गतिविधि व सामग्री का इस्तेमाल करते हुए अवधारणा को स्पष्ट किया जाए।
- तत्पश्चात दिए गए कार्यपत्रकों पर कार्य किया जाए।
- कार्यपत्रक पर कार्य करवाने के दौरान बच्चों के कार्य का अवलोकन करते रहें जिससे कि यह समझा जा सके कि बच्चों को कहाँ पर ज्यादा समस्या आ रही है या मदद करने की आवश्यकता है।

किसी भी गतिविधि में अत्यधिक समय देने से पढ़ने–पढ़ाने की प्रक्रिया में संतुलन नहीं हो पाता है, जिसका सीधा प्रभाव बच्चों के सीखने पर पड़ता है। इसलिए कक्षा की गतिविधियों में संतुलन बनाए रखना ज़रूरी होता है।

कविता और कहानी पढ़ना

- किसी भी कविता या कहानी को कम से कम दो दिन इस्तेमाल करें। (सभी बच्चों के लिए कहानी की छोटी किताबों का होना विद्यालय में आवश्यक है, जिससे कि उनका भी पढ़ने–पढ़ाने में इस्तेमाल किया सके)
- कहानी या कविता को पढ़ने से पूर्व उसके शीर्षक पर अवश्य बातचीत/चर्चा करें। बच्चों से इस तरह के प्रश्न ज़रूर पूछें कि 'अगर कहानी या कविता का नाम ऐसा है तो कहानी या कविता में क्या होगा?' ऐसे सवाल चित्र दिखाकर भी पूछें कि 'इन चित्रों को देखकर क्या लगता है कि इस कहानी या कविता में क्या होगा?'
- शिक्षक कहानी को स्पष्ट उच्चारण व आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ पढ़कर सुनाएँ, ताकि बच्चों में ''आदर्श वाचन'' की समझ बन पाए।
- शिक्षक कविता को भी स्पष्ट उच्चारण व आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।
- कविताओं को लयबद्ध करके भी गवाएँ।
- कहानी पढने़ के बाद शिक्षक उस कहानी पर आधरित, ''क्यों'', ''कैसे'' आदि प्रश्न बच्चों से पूछें जिनमें बच्चे ज्यादा से ज्यादा वाक्यों में उत्तर दे सकें। जब किसी कहानी या कविता पर चर्चा की जाती है तो बच्चों की पढ़ने के प्रति रुचि बनती है इससे कहानी या कविता को सुनकर समझने की क्षमता का पढ़कर समझने की क्षमता के साथ संबंध बनने लगता है।
- बातचीत और हाव–भाव से कहानी या कविता पढ़ने के बाद शिक्षक कहानी या कविता के प्रत्येक शब्द पर अँगुली रखकर धीमी गति से पढ़ें। कहानी या कविता पढ़ते समय इस बात का ध्यान रखें कि प्रत्येक बच्चे के पास कहानी या कविता की अपनी प्रति हो और वे भी पाठ पर अँगुली चलाएँ। **पीछे–पीछे न दोहराएँ।** पाठ पर अँगुली चलाने से भाषा के लिखित रूप की समझ बनती है।
- शिक्षक स्वयं कहानी पढ़ने के बाद बच्चों से कहें, ''**अब मेरे जैसा कौन पढ़ेगा?**'' प्रतिदिन अलग–अलग बच्चों से पढ़वाएँ। पढ़ने के बाद बच्चों को शाबाशी ज़रूर दें। शाबाशी मिलने पर बच्चे प्रेरित होते हैं और पढ़ने की कोशिश करते हैं।
- बच्चों से कहानी या कविता में आए उनके मनपसंद शब्दों/अक्षरों पर गोला लगाने या ढूँढने के लिए भी कहें। मनपसंद अक्षरों/शब्दों को ब्लैक बोर्ड/ज़मीन या फिर उनकी अपनी कॉपी पर लिखने के लिए कहें।
- तीन–चार दिन बाद शिक्षक कहानी या कविता के कुछ शब्द या वाक्य बोलें, बच्चे उन वाक्यों को कहानी या कविता में ढूँढकर दिखाएँ।

कार्ययोजना

2

कार्यपत्रकों पर कार्य

- कार्यपत्रक बच्चों को देने से पूर्व उस पर विस्तार से बच्चों से बात कर लें कि उसे किस प्रकार से इस्तेमाल करना है।
- उसमें लिखी गई विषयवस्तु के बारे में बताएँ।
- दिए गए निर्देश को पढ़ने के लिए प्रेरित करें या अपने साथ अँगुली रखकर पढ़ने को कहें। निर्देश पढ़ लेने के बाद पूछें कि उन्हें इसमें क्या करना है। इससे यह समझ में आता है कि बच्चे किए जाने वाले कार्य को समझ पा रहे हैं या नहीं।
- सभी बच्चों के पास जाकर देखें कि वे किस प्रकार से कार्यपत्रक पर कार्य कर रहे हैं और जहाँ कहीं भी आपको लगता है कि समर्थन करने की आवश्यकता है, वहाँ पर समर्थन करें।

विशेष अधिगम समर्थन कार्ययोजना एवं गतिविधियाँ

लैडर–9			कक्षा–3
क्र.	**दक्षता**	**संभावित गतिविधियाँ**	**सामग्री**
9.1	संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों को पहचानते हुए सही उच्चारण के साथ पढ़ना एवं लिखना विषयवस्तु की जटिलता के अनुसार।	• संकलित की गई कविता व कहानियों को पढ़वाना। • सरल और संयुक्त वाक्यों की अवधारणा के लिए ब्लैकबोर्ड व कार्ड्स के माध्यम से समझाना। • संबंधित अभ्यास एवं आकलन प्रपत्रों पर कार्य करवाना।	• संयुक्ताक्षरों एवं ''र'' आधारित शब्द युक्त छोटी कहानियों का संकलन • शब्द / वाक्य कार्ड्स • वाक्य पट्टिका • वाक्य संरचना चार्ट एवं पासा। • अभ्यास एवं आकलन पत्रक • संयुक्ताक्षरों एवं ''र'' आधारित शब्द युक्त छोटी कहानियों का संकलन
9.2	''र'' के विभिन्न रूपों को पहचानना और उनका पढ़ने एवं लिखने में सही	• ''र'' के प्रयोग वाले शब्दों का उच्चारण करवाना। • समूह में संयुक्ताक्षरों एवं **'र'** वाले शब्दों के	

	उपयोग करना।	कार्डस द्वारा घर भरो गतिविधि करवाते हुए पहचान व लेखन का अभ्यास करवाना। • संयुक्ताक्षरों एवं **'र'** वाले शब्दों एवं छोटे वाक्यों का श्रुतलेखन करवाना। • संबंधित अभ्यास एवं आकलन प्रपत्रों पर कार्य करवाना।	अभ्यास पत्रक PW-1, 2, 3, 4, 5, 6, AW-1 एवं आकलन पत्रक • शब्द / वाक्य कार्ड्स • वाक्य पट्टिका • वाक्य संरचना चार्ट एवं पासा।
		लैडर–10	
10.1	वाक्यों को पदों के अनुकूल बलाघात के साथ पढ़ते हुए उनकी संरचना एवं भाव को समझना तथा लेखन में सही उपयोग करना।	• छोटी कविताओं , कहानियों को पढ़ना एवं उनको अपने शब्दों में बताना। • छोटे वाक्यों का पठन व लेखन करवाना। • चित्रों के आधार पर वाक्यों की संरचना करवाना। • क्रम से चित्रों को लगाकर वाक्य बुलवाना। • वाक्य पट्टिकाओं की मदद से वाक्य संरचना करवाना। • सरल और संयुक्त वाक्यों की अवधारणा को समझाना। • मौखिक व लिखित निर्देशानुसार वाक्य संरचना करवाना। • अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करवाना। • अभ्यास एवं आकलन प्रपत्रों का इस्तेमाल करना।	• बालगीत चार्ट • शब्द कार्ड्स • कहानी की पुस्तकें • कहानी चार्ट • कहानी से संबंधित चित्र कार्ड • लघु–दीर्घ मात्रायुक्त कहानी / कविता / गद्यांश • PW-7, 8, 9 अभ्यास पत्रक एवं आकलन पत्रक • AW-2
10.2	पढ़ी हुयी सामग्री को समझकर उसमें आयी घटनाओं तथा विचारों को क्रमबद्ध रूप में बताना एवं लिखकर भी अभिव्यक्त करना।	• छोटी सरल परिवेशीय घटना, अनुभव, दिनचर्या से संबंधित मौखिक बातचीत के ज़रिए विचार प्रस्तुत करने के अवसर उपलब्ध करवाना । • चित्र चार्ट,चित्र कार्डों के माध्यम से कहानी सुनाना / बच्चों से मौखिक सुनना । • पठित या सुनी हुई कहानी / कविता के आधार पर चित्रांकन करना।	

लैडर–11			
11.1	चित्र, विषयवस्तु आदि से संबंधित दिए गए प्रसंग के आधार पर छोटी कहानी बनाकर लिखना। दूसरे द्वारा लिखी सामग्री को पढ़कर उस पर उचित टिप्पणी देना।	• दृश्य चित्रों के माध्यम से बातचीत करवाना। • दृश्य चित्रों पर स्वयं लेखन कार्य करना। • कल्पनात्मक विषय–वस्तुओं पर लेखन कार्य करवाना। • चित्र कार्ड्स के माध्यम से कहानी का क्रमबद्ध लेखन करवाना। • वाक्यों को जोड़कर कहानी बनाना।	• दृश्यात्मक चित्र श्रृंखला। • अनुमान आधारित प्रश्नों का संकलन • अभ्यास पत्रक क्रमांक–14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22 • सतत आकलन पत्रक क्रमांक A-5
11.2	पूर्ण विराम एवं प्रश्नवाचक चिह्नों के प्रयोग को समझना और पठन तथा लेखन में उनके उपयोग को सुनिश्चित करना।	• इस लैडर पर कार्य अलग से नहीं है, वरन् उपर्युक्त सभी गतिविधियों के साथ–साथ किया जाएगा।	• विराम चिह्न से संबंधित अनुप्रयोग को सभी कार्यपत्रकों में देखा जाएगा।
लैडर–12			
12.1	सरल अनुच्छेदों को पढ़ना, उससे संबंधित प्रश्नों को हल करना एवं प्रसंगानुसार शीर्षक देना।	• उपर्युक्त सामग्री का इस्तेमाल करते हुए अन्य और कहानियों व कविताओं का पठन करवाना। • पठित सामग्री में से अनुमान व कल्पना आधारित प्रश्नोत्तर करवाना। • शीर्षक की समझ हेतु समाचार पत्र, पत्रिका के लेख, कविता व कहानियों को पढ़वाते हुए शीर्षक पर बात करना।	• कविता एवं कहानी का संकलन • PW-10, 11, 12, 13 • AW-3

अभ्यास एवं आकलन पत्रक

3

बच्चों के कार्य योजना निर्धारण हेतु लैडर चार्ट

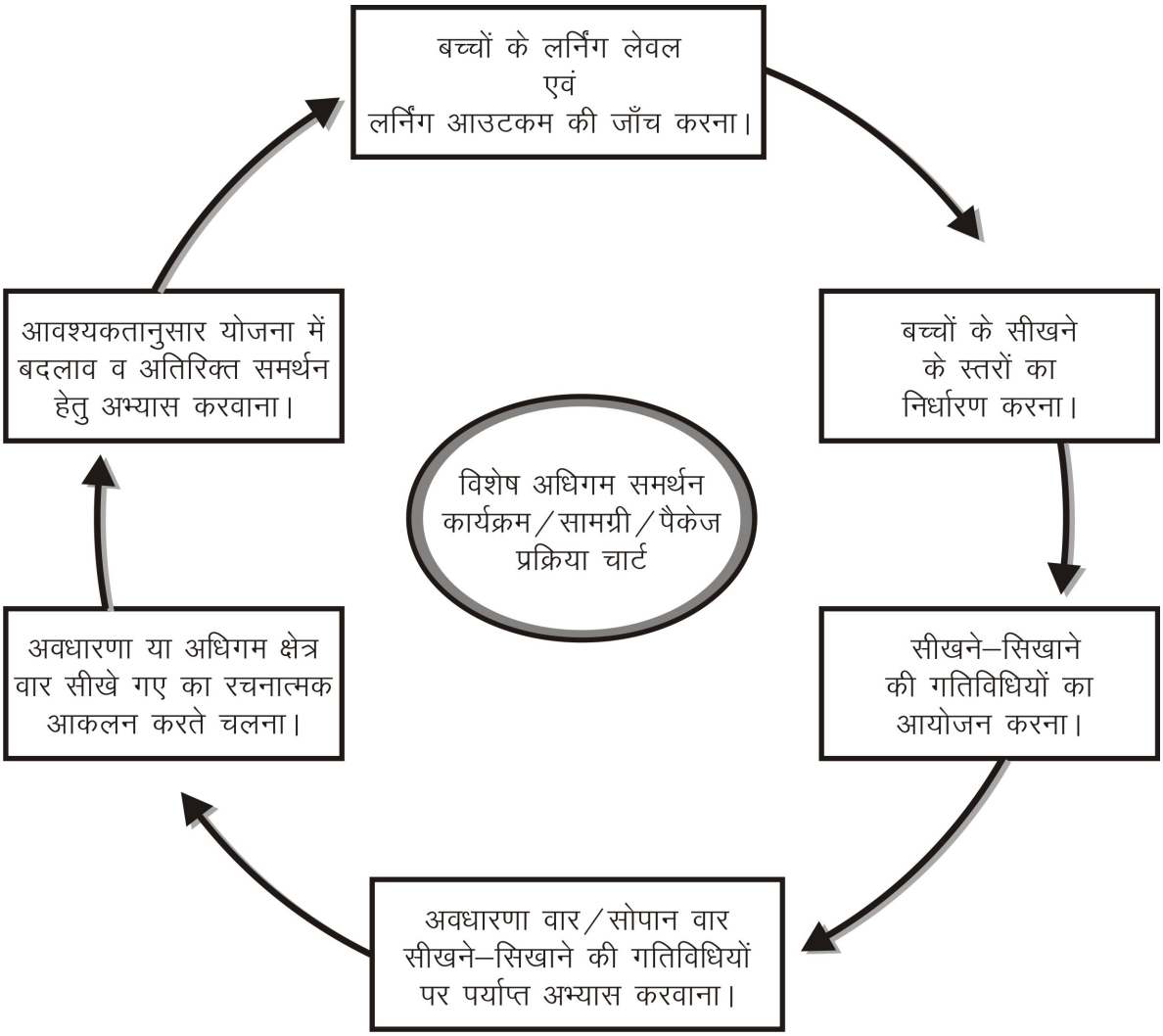

H/C3/PW1 | पठन एवं लेखन | संयुक्ताक्षर बोध

शाला का नाम : ..... रोल नं. : .....

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : .....

दी गई कहानी को पढ़कर समझिए।

लोमड़ी और सारस

एक लोमड़ी ने सारस को अपने घर खाने पर बुलाया। उसने चौड़ी थाली में दलिया डालकर सारस के सामने रख दिया। सारस अपनी लम्बी चोंच से कुछ भी नहीं खा पाया। लोमड़ी खुद ही सारा दलिया चाट–चाट कर खा गई।

अगले दिन सारस ने लोमड़ी को अपने घर खाने पर बुलाया। सारस ने तंग मुँह वाली सुराही में खीर डालकर लोमड़ी के सामने रख दी। लोमड़ी सुराही में अपनी थूथनी नहीं डाल सकी। सारस ने अपनी पूरी गर्दन सुराही में डालकर खुद ही सारी खीर पी ली।

(एक प्राचीन कहानी)

कहानी में 'गर्दन' शब्द आया है, इसी प्रकार के और शब्दों को पढ़िए ,समझिए और लिखिए –

कर्म	मुर्गा	गर्म	अर्थ	धर्म	मार्ग	कुर्ता	बर्तन
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....

सोचिए और लिखिए –

पहले दिन किसने किसको खाने पर बुलाया ? सही पर निशान (✓) लगाइए।

लोमड़ी ने सारस को ☐ सारस ने लोमड़ी को ☐

लोमड़ी ने किस चीज़ में खाना परोसा ? सही पर निशान (✓) लगाइए।

सुराही में ☐ थाली में ☐

दूसरे दिन किसने किसको खाने पर बुलाया ?

.....

सारस ने किस बर्तन में खाना परोसा ?

.....

सारस थाली में से दलिया क्यों नहीं खा सका ?

.....

लोमड़ी सुराही में से खीर क्यों नहीं पी सकी ?

.....

सारस की तरह चोंच वाले तथा उड़ने वाले और कौन–कौन से जीव हैं ? ऐसे जीवों को क्या कहते हैं ? लोमड़ी जैसे जीवों को क्या कहते हैं ?

लोमड़ी जैसे जीवों को ..... कहते हैं।

सारस जैसे जीवों को ..... कहते हैं।

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

दिनांक : .....

शाला का नाम : ..... रोल नं. : .....

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : .....

अ) निम्न संयुक्त व्यंजनों से बनने वाले वर्ण/अक्षर को समझिए और लिखने का अभ्यास कीजिए–

क् + ष = क्ष	**ज् + ञ = ज्ञ**	**त् + र = त्र**	**श् + र = श्र**
क्ष	**ज्ञ**	**त्र**	**श्र**
.....	.....	.....	.....

ब) दिए गए शब्दों को पढ़िए और समझकर लिखिए –

कक्षा	पक्षी	ज्ञान	यज्ञ	पत्र
.....	.....	.....	.....	.....
मित्र	श्रम	श्रमिक	श्रीलता	अज्ञात
.....	.....	.....	.....	.....

स) वाक्यों को पढ़कर समझिए –

- मैं **कक्षा** तीन में अध्ययन (पढ़ती) करती हूँ।
- **पक्षी** उड़ रहे हैं।
- पुस्तकों से हमें **ज्ञान** प्राप्त होता है।
- मैंने **यज्ञ** होते हुए देखा है।
- मेरी बहन **पत्र** लिखती है।
- शीला मेरी बहन की **मित्र** है।
- मेरे पिताजी **श्रम** करते हैं।

द) सही शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए –

- आसमान में ..... उड़ते हैं।
- मेरी बहन ..... में पढ़ती है।
- मेरे घर में ..... होने वाला है।
- मेरा भाई ..... लिखता है।
- हम विद्यालय ..... प्राप्त करने जाते हैं।
- मेरी माँ बहुत ..... करती है।

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/PW3 पठन एवं लेखन संयुक्ताक्षर बोध

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

कविता को पढ़िए, गाइए और समझिए –

रंगीला बिल्ला

दिल्ली से आया एक बिल्ला
नाम है उसका रंगीला।
मंद–मंद मुस्कान है उसकी
चश्मा है उसका चमकीला।
पंजाबी कुर्ता है उसका
और दुपट्टा हल्का पीला।

चप्पल उसकी जापानी है
पर्स है उसका गहरा नीला।
भूख लगी है उसको भारी
मचा रहा है, चिल्लम–चिल्ला।
मैं बोली, मेरे प्यारे बिल्लू
मत कर इतना हल्ला–गुल्ला।

इन शब्दों को ध्यान से पढ़िए और समझिए –

दिल्ली, बिल्ला, चश्मा, मुस्कान, हल्का,
चप्पल, चिल्लम–चिल्ला, हल्ला, गुल्ला,
प्यारे, बिल्लू, दुपट्टा,

इनमें कुछ अक्षर आधे लिखे हुए हैं। क्या आप उनका पूरा अक्षर ढूँढ़कर लिख सकते हैं :–

ल् ल	न्	स्	श्
च्	प्	ट्	

जब किसी शब्द में कोई व्यंजन–वर्ण, स्वर–वर्ण के बिना बोला जाता है तब उसे आधे अक्षर जैसे लिखा जाता है।

आधे वर्ण को बोलने–लिखने के लिए सहारा चाहिए। अतः उसे शब्द में उसके आगे आने वाली ध्वनि के साथ मिलाकर बोला जाता है। इसी तरह आधे अक्षर को उसके आगे के अक्षर के साथ मिला कर ही लिखा जाता है। इस प्रकार बने अक्षर को मिले हुए अक्षर या संयुक्ताक्षर कहते हैं।

बिल्ला हल्का चश्मा दुपट्टा
बिल्लू प्यारे चप्पल

अब आप भी कुछ और आधे अक्षर वाले शब्द लिखिए –

....

....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ..... रोल नं. : .....

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : .....

लाल पतंग और लालू

''अहा!'' लालू ने अपने कुत्ते राजा से कहा।

लालू ने हाथ बढ़ाया। पर...

लालू दुखी हो उठा। तभी राजा भौंका। देखो!

लालू डाली पर आगे की ओर सरका।

अरे, अरे!

इस बार तो लालू को पतंग पकड़नी ही हैं।

पर हवा पतंग को उड़ा कर ले गयी।

लालू को लगा वह पतंग से हाथ धो बैठा।

पर तभी... आखिर लालू को पतंग मिल ही गयी।

कहानी में **'कुत्ते' और 'पतंग'** शब्द का इस्तेमाल हुआ है। इसी प्रकार के अन्य शब्दों को पढ़िए और लिखिए –

पत्ता	**छत्ता**	**कुत्ता**	**बच्चा**	**सच्चा**	**अच्छा**	**गन्ना**	**पन्ना**
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....
जंगल	**मंगल**	**दंगल**	**रंगीला**	**कंगन**	**मंजन**	**पलंग**	**लंगूर**
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/PW5 **पठन एवं लेखन** **संयुक्ताक्षर बोध**

शाला का नाम : ---------- **रोल नं. :** ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- **दिनांक :** ----------

ध्यान से देखिए, समझिए और पढ़िए –

कच्चा	=	कच्चा,	गट्ठर	=	गट्ठर,	गड्ढा	=	गड्ढा
प्यार	=	प्यार,	भुट्टा	=	भुट्टा,	बस्ता	=	बस्ता
सूर्य	=	सूर्य,	प्रेम	=	प्रेम,	मद्रास	=	मद्रास
ट्रक	=	ट्रक,	पर्वत	=	पर्वत,	कुर्ता	=	कुर्ता
बंदर	=	बन्दर,	चंदा	=	चन्दा,	मंजन	=	मन्जन
अंडा	=	अण्डा,	कंधा	=	कन्धा,	मंदिर	=	मन्दिर

देखकर लिखिए और पढ़िए –

ट्रक	ड्रम	क्रम	भ्रम	चक्र
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
पर्वत	कुर्ता	पर्दा	टर्र	कर्म
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
न्यारा	प्यारा	सस्ता	रास्ता	कच्चा
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/PW6 पठन एवं लेखन संयुक्ताक्षर बोध

शाला का नाम : ..... रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : ----------

1. उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए –

1. मेरा काम देखकर मनीष ..... में पड़ गया। (भ्रम, भर्म,)
2. लतीफ पूरा ..... लगाकर कार्य को पूर्ण कर देता है। (श्रम, शरम)
3. उत्सवों में बजाने के लिए ..... का उपयोग करते हैं। (डरम, ड्रम)
4. अधिक सामान लाने–ले जाने के लिए ..... उपयुक्त रहता है। (ट्रक, टर्क)

1. अलग–अलग ..... के लोग भी एक साथ खाना खा सकते हैं। (धर्म, धरम)
2. जो मेहनत से अच्छा ..... करता है, सफलता उसी को मिलती है। (करम, कर्म)

2. सारणी के अनुसार शब्दों को अलग–अलग छाँटकर लिखिए –

कंघा, चाँद, जींस, आँत, अंडा, आँख, जंघा, कंचन, दाँत, चंदा, आँगन, पेंट,पाँख

अनुस्वार ं शब्द		अनुनासिक ँ शब्द	
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

3. संयुक्त व्यंजनों से बनने वाले शब्द लिखिए –

स्त – बस्ता , ...

ड्ढ – चड्ढा, ...

ट्ठ – मट्ठा, ...

प्य – प्याली, ...

च्छ – मच्छर, ...

च्च – कच्चा, ...

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/AW1 **संयुक्ताक्षर बोध**

शाला का नाम : ..... **रोल नं. :** ----------

विद्यार्थी का नाम : ..... **दिनांक :** ----------

1. नीचे दिए गए संयुक्ताक्षर शब्दों को दूसरे रूप में लिखिए –

बच्चा = ... गट्ठर = ... गड्ढा = ...

प्यार = ... भुट्टा = ... बस्ता = ...

सूर्य = ... प्रेम = ... मद्रास = ...

ट्रक = ... पर्वत = ... कुर्ता = ...

2. नीचे दिए गए वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए –

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. मेरे पास एक ट्रैकटर है।	1. .....
2. उसकी बात सुनकर मैं भ्रम में पड़ गया।	2. .....
3. गिनती क्रम से लिखी होती है।	3. .....
4. सभी आम कच्चे हैं	4. .....
5. श्रम से सफलता मिलती है।	5. .....

3. सही शब्द पर घेरा O बनाइए –

श्रम,	शरम,	परव,	पर्व
क्रपा,	दरिद्र,	कारय,	परकाश
नम्रता,	नक्सा,	ब्रम,	व्याहार
पवितर,	करम,	सरेष्ठ,	दीर्घ

4. दिए गए चित्र के बारे में लिखिए –

.....

.....

.....

.....

शिक्षक प्रतिपुष्टि : .....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

कविता को पढ़िए और समझिए –

मन करता है

मन करता है सूरज बनकर
आसमान में दौड़ लगाऊँ।
मन करता है चंदा बनकर
सब तारों पर अकड़ दिखाऊँ।

मन करता है बाबा बनकर
घर में सब पर धौंस जमाऊँ।
मन करता है पापा बनकर
मैं भी अपनी मूँछ बढ़ाऊँ।

साभार : सुरेंद्र विक्रम

मन करता है तितली बनकर
दूर–दूर उड़ता जाऊँ।
मन करता है कोयल बनकर
मीठे–मीठे बोल सुनाऊँ।

मन करता है चिड़िया बनकर
चीं–चीं चूँ–चूँ शोर मचाऊँ।
मन करता है चर्खी लेकर
पीली–लाल पतंग उड़ाऊँ।

1. आपका मन कब–कब चिड़िया बन जाने को करता है और क्यों?

.....

.....

.....

2. कौन किस पर अकड़ जमाता होगा? लिखिए।

आसमान में	.....	.....
खेल में	.....	.....
जंगल में	.....	.....
स्कूल में	.....	.....
नदी में	.....	.....

4. सूरज आसमान में दौड़ क्यों लगाता होगा?

.....

.....

5. चिड़िया शोर क्यों मचाती होगी?

.....

.....

6. चंदा तारों पर क्यों अकड़ता होगा?

.....

.....

7. दादा घर में कैसे धौंस जमाते होंगे?

.....

.....

8. पतंग का चित्र बनाकर उसके बारे में लिखिए।

	....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

दिनांक : .....

H/C3/PW8 **पठन एवं लेखन** **संवाद बोध**

शाला का नाम : ..... **रोल नं. :** .....

विद्यार्थी का नाम : ..... **दिनांक :** .....

निम्नलिखित कहानी संवाद को ध्यान से पढ़िए और समझिए –

सूरज : अरे पानी भाई! कैसे हो ? बहुत दिनों से तुम हमारे घर नहीं आए ?

पानी : सूरज दादा क्या बताऊँ? आने का दिल तो बहुत करता है मगर क्या करूँ मेरे सारे दोस्त हैं जो हैं वे भी मेरे साथ आपके घर आना चाहते हैं। पता नहीं आपके घर में हम सबके लिए जगह होगी भी या नहीं ?

सूरज : लो यह भी भला कोई बात हुई! मैं एक बहुत बड़ा घर बनवा रहा हूँ। तुम अपने सभी दोस्तों को लेकर ज़रूर आना, अच्छा।

संवाद के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) पानी, सूरज के घर क्यों नहीं जा रहा था?

.....

.....

(ख) आप किन–किन के साथ अपनी नानी के घर जाते हो ? लिखिए।

.....

.....

(ग) कोई तीन वाक्य लिखिए जिनमें ?, !, । चिह्नों का प्रयोग हुआ है।

- .....
- .....
- .....

समझिए और लिखिए –

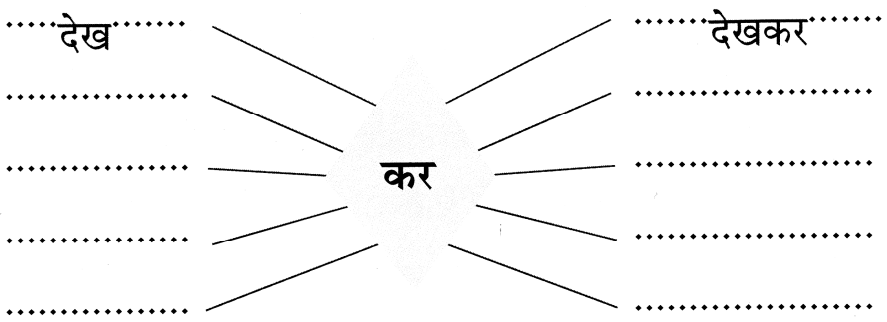

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

छिपकली की पूँछ

एक बार एक साँप ने एक नन्हीं छिपकली की पूँछ पकड़ी।

नन्हीं छिपकली ने दम लगाकर किसी तरह अपने को छुड़ा तो लिया, लेकिन उसकी पूँछ टूट गयी।

''बिना पूँछ के कितना बुरा लगेगा!'' उसने मन ही मन सोचा। फिर सोचा कि एक पूँछ उधार क्यों ने ले ली जाए।

संयोग से एक चितकबरी बिल्ली वहाँ आ पहुँची। नन्हीं छिपकली ने उससे पूँछ उधार माँग ली।

चितकबरी बिल्ली ने कहा : ''दीवार पर चलते समय, मैं पूँछ के सहारे अपना संतुलन ठीक रखती हूँ। इसलिए मैं तुम्हें पूँछ नहीं दे सकती।''

एक कठफोड़वा पेड़ का इलाज कर रहा था, नन्हीं छिपकली ने उससे पूँछ उधार माँगी।

कठफोड़वे ने कहा : ''पेड़ों का इलाज करते समय मैं पूँछ के सहारे ही अपने बदन को सीधा रखकर पेड़ों से कीड़े पकड़ता हूँ। बताओ, मैं तुम्हें अपनी पूँछ कैसे दे सकता हूँ।''

एक गिलहरी चीड़ के पेड़ पर फुदक–फुदककर चिलगोजे बीन रही थी। नन्हीं छिपकली ने उससे भी पूँछ उधार माँगी।

गिलहरी ने कहा : ''जब मैं डाली–डाली छलांग मारती हूँ, तो मेरी पूँछ पैराशूट का काम करती है। मैं तुम्हें अपनी पूँछ नहीं दे सकती।''

एक बैल पेड़ की छाँह में आराम कर रहा था, छिपकली ने उससे पूँछ उधार माँगी।

बैल ने कहा : ''माफ करना, मैं तुम्हें पूँछ नहीं दे सकता। क्योंकि जब गौ–मक्खियाँ अक्सर मेरी पीठ पर डंक मारती हैं, तो मैं इसी पूँछ से उन्हें खदेड़ता हूँ।''

ओपोसम अपने बच्चों के साथ पेड़ की डाली पर खेल रही थी। नन्हीं छिपकली ने उससे भी पूँछ उधार माँगी।

ओपोसम ने कहा : ''देखो, मेरे बच्चे खेलते वक्त मेरी पूँछ से लटककर काफी सुरक्षा पा जाते हैं। माफ करना मैं अपनी पूँछ तुम्हें नहीं दे सकती।''

नन्हीं छिपकली ने देखा कि पूँछ मिलना तो अब नामुमकिन लगता है, वह बहुत उदास हो गयी। ओपोसम ने कहा : ''क्यों उदास होती हो! जाकर अपनी माँ से कोई उपाय पूछो।''

नन्हीं छिपकली ने घर जाकर अपनी माँ को पूँछ उधार लेने की कहानी सुनाई। माँ ने मुस्कराते हुए कहा : ''अरे, बुद्धू पहले अपनी पूँछ तो देख।''

नन्हीं छिपकली ने अपनी पूँछ की ओर देखा। अरे! मेरी तो नई पूँछ निकल आयी है।

नन्हीं छिपकली बहुत खुश हुई और कहा : ''अगर कोई मुझसे पूँछ उधार माँगेगा, तो मैं उसे दे दूँगी, जरा भी कंजूसी नहीं करूँगी।'' माँ मुस्कराई।

जरा देखें अब नन्हीं छिपकली धूप में कैसे मजे से खेल रही है!

छिपकली को क्रम से कौन –कौन मिले और उनकी पूँछ की क्या विशेषता थी? दी गई तालिका में लिखिए व अपनी कल्पना से उनकी पूँछ भी बनाइए –

क्र.	नाम	विशेषता	चित्र

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

दिनांक : .....

H/C3/PW9 पठन एवं लेखन गद्य बोध

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

दी गई चित्रकथा को पढ़िए और समझिए –

आ गया वसंत

यह चित्र कथा आपको कैसी लगी, कौन सा पात्र सबसे अच्छा लगा और क्यों? लिखिए –

.....

.....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

दिनांक : .....

H/C3/AW2 **पठन एवं लेखन** **गद्य बोध**

शाला का नाम : ..... **रोल नं. :** .....

विद्यार्थी का नाम : ..... **दिनांक :** .....

1. नीचे शब्द के अंतिम अक्षर से नए शब्द बनाए गए हैं, उन्हें आगे बढ़ाइए –

मनोज → जमीन → नकल → ( ) → ( )

( ) → ( ) → ( ) → ( ) → ( )

2. दिए गए वाक्यों के अन्त में उपयुक्त चिह्नों को लगाइए –

(। ! ?)

(क) आसमान नीला होता है

(ख) क्या जलेबी कड़वी होती है

(ग) मोहन तुम आज खेलने जाओगे

3. दिए गए अनुच्छेद में कुछ शब्द अशुद्ध हो गए हैं, उनको शुद्ध करते हुए अनुच्छेद को पुनः लिखिए –

एक बूढ़ि अममा थी। बिलकुल अकेली! उसका अपना कोई न था, घर का कामकाज उसे खूद हि करना पड़ता। सुबह ऊठकर कुए से पानी लाना, खाना बनाना आदि।

.....

.....

.....

.....

.....

शिक्षक प्रतिपुष्टि : .....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/PW10 पठन एवं लेखन पद्य बोध

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

दी गई कविता को पढ़कर समझिए –

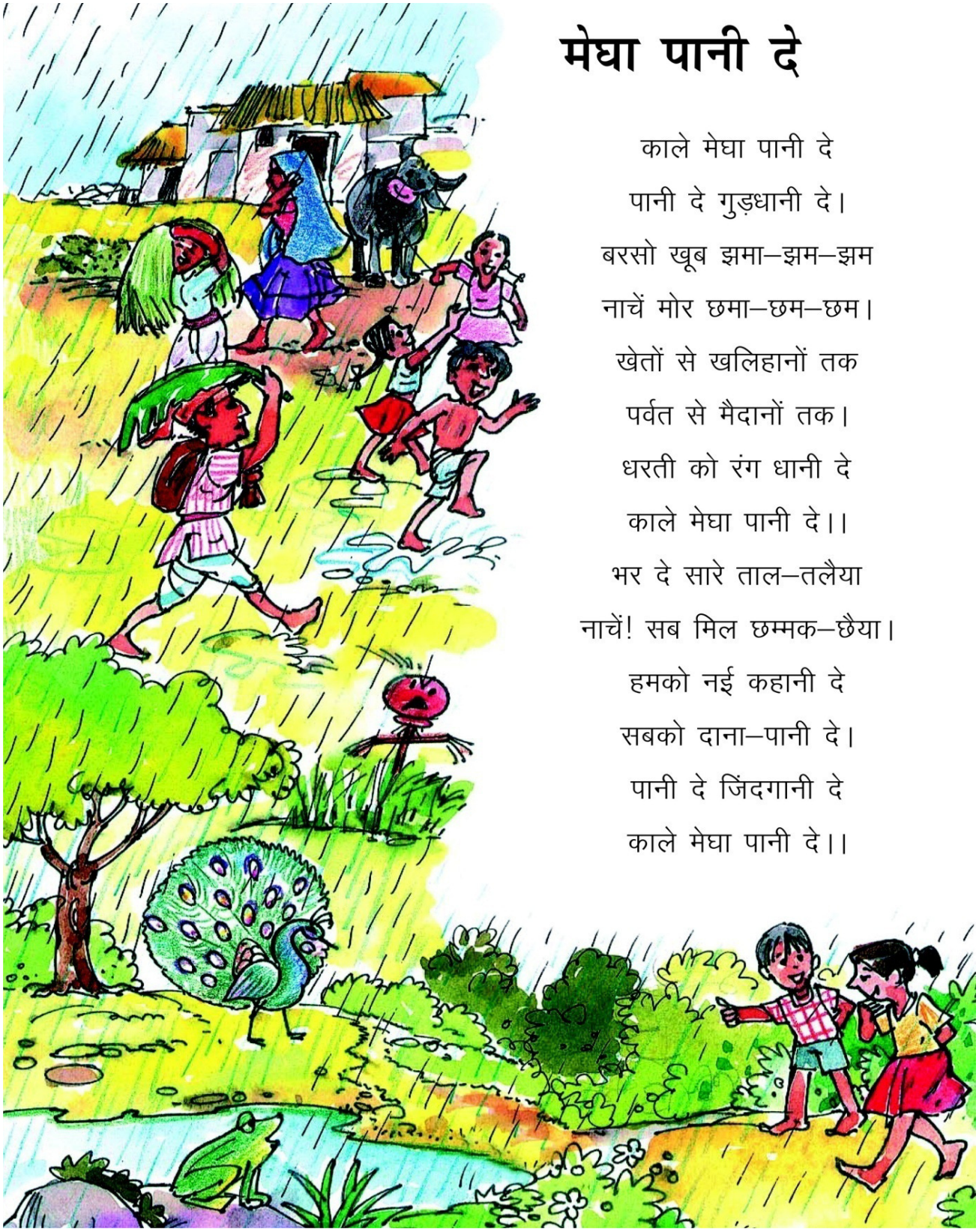

मेघा पानी दे

काले मेघा पानी दे
पानी दे गुड़धानी दे।
बरसो खूब झमा–झम–झम
नाचें मोर छमा–छम–छम।
खेतों से खलिहानों तक
पर्वत से मैदानों तक।
धरती को रंग धानी दे
काले मेघा पानी दे।।
भर दे सारे ताल–तलैया
नाचें! सब मिल छम्मक–छैया।
हमको नई कहानी दे
सबको दाना–पानी दे।
पानी दे जिंदगानी दे
काले मेघा पानी दे।।

कविता को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. काले मेघ देखकर मोर क्या करते हैं ?

.....

.....

2. क्या आपको बारिश अच्छी लगती है ? हाँ, तो क्यों? नहीं, तो क्यों नहीं ?

.....

.....

.....

3. अगर बारिश न हो तो क्या होगा ? और क्यों ?

.....

.....

.....

4. बारिश होने पर कौन क्या करता है, सोचकर लिखिए –

चिड़िया .....

चन्द्रमा .....

मोर .....

मेंढक .....

बिल्ली .....

आप .....

दिए गए चित्र के बारे में लिखिए –

	....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/PW11 **पठन एवं लेखन** **वाक्य बोध**

शाला का नाम : ..... **रोल नं. :** ----------

विद्यार्थी का नाम : ..... **दिनांक :** ----------

आइए , इस वाक्य को पढ़ें और देखें कि इसमें क्या छूट गया है –

हवाई जहाज आसमान उड़ रहा है।

शुद्ध वाक्य ;

हवाई जहाज आसमान में उड़ रहा है।

नीचे दिए गए वाक्यों को सही (शुद्ध) करके लिखिए –

(क) धूप बैठ कर ढोकला खाया।

.....

(ख) रामा काम करने मना कर दिया।

.....

(ग) लता सब मूँगफली खिलाई।

.....

(घ) पहाड़ी गाँवों बाघ डर बना रहा है।

.....

(ड.) एक बंदर बिल्लियों को लड़ते देखा।

.....

(च) किसान शेर से लोमड़ी लाने का वादा किया।

.....

(छ) शेर डर मारे काँपने लगा।

.....

(ज) मक्खी शेर ज्यादा आलसी है।

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/PW12 पठन एवं लेखन गद्य बोध

शाला का नाम : ..... रोल नं. : .....

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : .....

कहानी पढ़िए और समझिए–

तीन भाई थे। एक दिन सुबह के समय तीनों नए घरों की तलाश में निकल पड़े। थोड़ी दूर पर एक बड़ा आम का पेड़ आया। उसके नीचे ठंडी छाँह थी। तीनों भाई उसके नीचे विश्राम (आराम) करने लगे।

पेड़ के पके आम तोड़–तोड़कर चूसने लगे। बड़े भाई ने कहा मुझे तो यही जगह पसंद है। आम के पेड़ से बढ़कर क्या हो सकता है? आम कच्चे होंगे, तो आचार बनाएँगे और पक जाएँगे, तो हम मीठे–मीठे आम खाएँगे कुछ आम हम बाद में खाने के लिए सुखाकर रख देंगे।

1. **तीनों भाई किसकी तलाश में निकले थे?**

.....

.....

2. **बड़े भाई को घर बनाने के लिए कौन सी जगह पसंद आई ?**

.....

.....

3. **आम के पेड़ के क्या फायदे बताए गए ?**

.....

.....

4. **आपको अगर पेड़ लगाना हो तो आप कौन–से पेड़ लगाएगें ? आप वही पेड़ क्यों लगाना चाहेंगे?**

.....

.....

.....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/PW13 पठन एवं लेखन गद्य बोध

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

दी गई कहानी को पढ़िए और समझिए–

कुत्ते ने हिलाई पूँछ

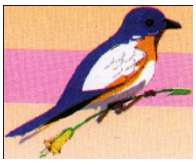
रानी, चिड़िया रानी,

चिड़िया ने मुझे दिया।

पंख मैंने को दिया, पेड़ ने मुझे काँटा दिया।

काँटे से मैंने 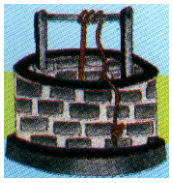 खोदा,

कुएँ ने मुझे पानी दिया। पानी से मैंने खेत सींचा,

खेत ने मुझे 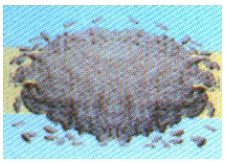 दिए।

चावल मैंने में डाले, हांडी ने मुझे खिचड़ी दी।

गरम–गरम मैंने खाई, ठंडी–ठंडी ने खाई,

कुत्ते ने खाकर पूँछ हिलाई।

सोचिए और लिखिए।

1. किसने क्या दिया बताइए?	2. क्या आपके घर में खीर बनती है? बताइए खीर बनाने के लिए किस–किस सामान (सामग्री) की ज़रूरत होगी?
पेड़ ने	.....
चिड़िया ने	.....
कुएँ ने	.....
हांडी ने	.....
खेत ने	.....

चित्र बनाइए

कविता में पूँछ शब्द आया है। क्या आप पूँछ वाले जानवरों को जानते हैं? चार जानवरों के नाम लिखिए और उनकी पूँछ भी बनाइए।

..... **की पूँछ**	..... **की पूँछ**
..... **की पूँछ**	..... **की पूँछ**

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

दिनांक : .....

H/C3/PW14 पठन एवं लेखन वाक्य बोध

शाला का नाम : ..... रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : ----------

कौन कैसे बोलता है? उदाहरण देखकर समझिए –

(फुंकारना, हुआ–हुआ, मिमियाना, रेंकना, चिंघाड़ना, रँभाना, दहाड़ना, हिनहिनाना, बलबलाना, टर्राना)

क. 1. गाय **रँभाती** है। 2. घोड़ा ..... हैं।

3. ऊँट ..... है। 4. हाथी ..... है।

5. गधा (गदहा) ..... है। 6. बकरी ..... है।

7. सिंह ..... है। 8. मेंढक ..... है।

9. साँप ..... है। 10. सियार ..... करता है।

(घुघुआना, बाँग, कूजना, टें–टें, चहचहाना, गुटरगूँ, केंकना, काँव–काँव, कूकना, कुड़–कुड़)

ख. 1. कोयल **कूकती** है। 2. चिड़िया ..... है।

3. मुरगा ..... देता है। 4. मुरगी ..... करती है।

5. उल्लू ..... है। 6. हंस ..... है।

7. कौआ ..... करता है। 8. तोता ..... करता है।

9. मोर ..... है। 10. कबूतर ..... करता है।

(भिनभिनाना, गुंजारना, झंकारना, पीउ–पीउ करना)

ग. 1 मच्छर ..... है। 2. मक्खी ..... है।

3. भौंरा ..... है। 4. पपीहा ..... है।

5. झींगुर ..... है।

(किटकिटाना, गरजना, खनकना, टिक–टिक, कल–कल, चरमराना, कड़कना, टप–टप, झर–झर, सर–सर, खटखटाना, खड़कना)

घ. 1. हवा ..... बहती है। 2. पानी ..... बहता है।

3. झरना ..... गिरता है। 4. घड़ी ..... करती है।

5. बिजली ..... है। 6. बादल ..... हैं।

7. चूड़ियाँ ..... है। 8. दाँत ..... हैं।

9. जूते ..... हैं। 10. पानी ..... गिरता है।

11. बर्तन ..... हैं। 12. दरवाज़ा / किवाड़ ..... है।

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/AW3 **पठन एवं लेखन**

शाला का नाम : ..... **रोल नं. :** ----------

विद्यार्थी का नाम : ..... **दिनांक :** ----------

1. दिए गए वाक्यों में कुछ शब्द गलत है। उन्हें सही करके लिखिए –

(क) **परकृति** का समबन्ध जीवन से होता है।

.....

(ख) **परयावरण** के बचाव हेतु पेड़–पौधो की हम रक्षा करेंगे।

.....

(ग) **भरपुर र्वषा** होगी।

.....

(घ) बारिश के बाद **इनदर धनूष** दिखाई देता है।

.....

2. दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

(क) भरपूर .....

(ख) खबर .....

(ग) गरम–गरम .....

(घ) तलाश .....

3. चित्र में क्या हो रहा है, लिखिए –

.....

.....

.....

.....

.....

.....

शिक्षक प्रतिपुष्टि : .....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/PW15 | पठन एवं लेखन | चित्रकथा बोध

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

चित्र को ध्यान से देखिए और बताइए क्या–क्या हो रहा है ?

नन्ही चिड़िया

		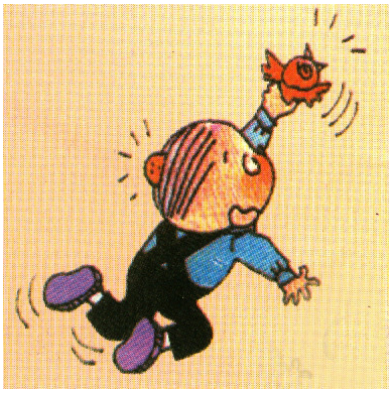
	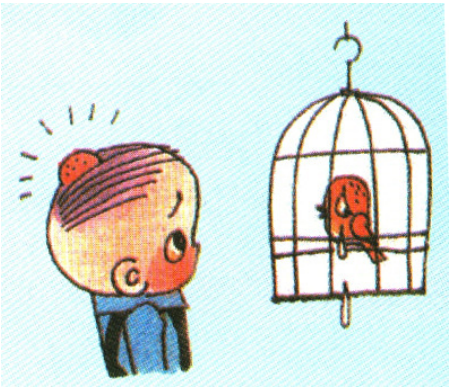	

कहानी इधर–उधर हो गई।

चिड़िया रोने लगी। वह चुप ही नहीं हुई। मेज फिसल गई और गोलू सिर गया। बाहर से उड़ती हुई चिड़िया खिड़की से अंदर आई। उसने चिड़िया को पिंजड़े में बंद कर दिया। गोलू चिड़िया पकड़ने के लिए इधर–उधर उछला। कुछ देर बाद उसने चिड़िया पकड़ ली। उसने चिड़िया को पिंजड़े से आज़ाद कर दिया। उसने मेज और स्टूल पर चढ़ कर चिड़िया को पकड़ने की कोशिश की। गोलू ने चिड़िया पकड़ने के लिए खिड़की बंद कर दी।

कहानी को शुरू से आखिर तक सही–सही जमाएँ

1. .....
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....
6. .....
7. .....
8. .....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/PW16 पठन एवं लेखन गद्य बोध

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

कहानी को पढ़िए और समझिए –

एक चींटी थी। लाल रंग की। छोटी–छोटी थी। बहुत ही छोटी। वह एक छोटे बिल में रहती थी।

चींटी दिन–भर काम करती रहती थी। एक मिनट के लिए भी नहीं बैठती थी।

एक चिड़िया थी। उसने चींटी से कहा– तुम दिन भर काम करती हो। क्या परिवार की और चींटियाँ काम नहीं करतीं? सारा काम तुम क्यों करती हो?

चींटी ने कहा – मेरे परिवार में सब काम करते हैं। कोई खाली नहीं बैठता। यह कहकर वह आगे बढ़ गई।

तथी उसे एक बताशा मिला। चींटी ने छूकर देखा, उसे तो मीठा पहाड़ मिल गया। इतना बड़ा मीठा पहाड़ वह कैसे उठाए। वह तुरंत अपने बिल में गई। सब में खबर फैल गई कि बाहर मीठा पहाड़ है।

सारी चींटियाँ बाहर निकल आईं। वे एक कतार में चल रही थीं। बताशे के पास पहुँचीं तो उससे चिपक गईं।

ठंडी हवा चलने लगी। चींटी समझ गई कि वर्षा आने वाली है। वर्षा आई तो बताशा घुल जाएगा। उसने सबको बताया। सब ज़ोर लगाकर बताशे को लुढ़काने लगीं।

कुछ दूर लुढ़कने पर बताशा टूट गया। उसके छोटे–छोटे टुकड़े हो गए। चींटियों का काम आसान हो गया। वर्षा आने से पहले ही बताशे के सारे टुकड़े वे बिल में ले गईं।

आप किन–किन कामों को मिलकर करते हैं और किस–किस के साथ –

.....

.....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ..... रोल नं. : .....

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : .....

कविता पढ़िए, गुनगुनाइए और समझिए –

अभी खबर दिल्ली से आई,
मक्खी रानी उसको लाई।
टिड्डे ने हाथी को मारा,
हाथी क्या करता बेचारा।
घुस बैठा मटकी के अंदर,
मटके में थे ढाई बंदर।
उन्हें देखकर हाथी रोया
रोते–रोते ही वह सोया।

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(अ) आप तक खबरें कैसे पहुँचती हैं?

.....

(ब) हाथी मटकी में न घुसकर आसमान में उड़ जाता तो, क्या होता?

.....

(स) आपको कोई चीज़ नहीं मिलती है तो आप क्या करते हैं ?

.....

2. इस कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

अभी खबर .....

मक्खी रानी .....

उन्हें देखकर .....

रोते–रोते ही .....

3. कविता में आए शब्दों की तरह आप भी नये शब्द लिखिए।

अंदर	बंदर	.....	.....
रोया	.....	.....	.....
मारा	.....	.....	.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/PW18 **पठन एवं लेखन** **कहानी बोध**

शाला का नाम : ..... **रोल नं. :** .....

विद्यार्थी का नाम : ..... **दिनांक :** .....

कहानी को पढ़िए और समझिए –

एक था सेठ। एक दिन उसको नारियल की जरूरत पड़ गई। वह नारियल लेने बाजार पहुँचा। उसने दुकानदार से पूछा – ''एक नारियल कितने का है?'' दुकानदार बोला – ''एक रुपये का।'' सेठ बोला – ''एक रुपये में दो, दे दो ना।'' दुकानदार बोला – आगे मिलेंगे।''

सेठ आगे गया, वहाँ एक–दूसरी दुकान में दो नारियल मिल रहे थे। सेठ बोला – ''एक रुपये में चार दे दो ना।'' दूसरा दुकानदार बोला– ''आगे मिलेंगे।'' सेठ आगे गया, वहाँ एक रुपये में चार नारियल मिल रहे थे। सेठ बोला – ''एक रुपये में आठ दे दो न।''

तीसरा दुकानदार बोला – ''आगे नारियल का पेड़ है, वहीं से तोड़ लाओ। कुछ भी नहीं देना पड़ेगा। सेठ पेड़ के पास पहुँचा। उसने पेड़ से कभी नारियल नहीं तोड़े थे। सेठ पेड़ पर चढ़ गया। खूब नारियल तोड़ लिए लेकिन जब उतरने की सोची तो डर लगने लगा। इतने ऊँचे पेड़ से कैसे उतरूँ। बस, सेठ पेड़ पर लटके–लटके ही चिल्लाने लगा। मुझे बचाओ। बचाने वाले को दो हजार रुपये दूँगा।

(अ) सोचकर लिखिए –

1. सेठ कब तक लटका रहा होगा ?

.....

2.. सेठ कैसे उतरा होगा ?

.....

3. दुकानदार ने यह तरकीब कैसे सोची होगी ?

.....

(ब) आप भी एक ऐसी कोई छोटी सी कहानी सोचकर लिखिए –

.....

.....

.....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

नोट : शिक्षक पहले बच्चों के साथ कहानी का पठन स्वयं भी करें, उस पर मौखिक बातचीत करें और उसके बाद बच्चों को इस पर कार्य करने के लिए कहें।

शाला का नाम : ..... रोल नं. : .....

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : .....

1. नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

किसी तालाब में एक कछुआ रहता था। तालाब के पास रहने वाली एक लोमड़ी से उसकी दोस्ती हो गई। एक दिन वे तालाब के किनारे गपशप कर रहे थे कि अचानक वहाँ एक शेर आ गया। लोमड़ी तो दौड़ कर दूर भाग गई पर कछुआ अपनी धीमी चाल के कारण तालाब के अंदर तक न पहुँच सका। शेर एक ही छलांग में उस तक पहुँच गया और अपने पंजों में दबोच लिया।

सही उत्तर पर सही ✓ का निशान लगाइए –

अ) कछुआ कहाँ रहता था?

क) तालाब में ख) शहर में ग) नदी में

ब) लोमड़ी और कछुआ तालाब के किनारे क्या कर रहे थे?

क) दोस्ती ख) गपशप ग) लड़ाई

स) कछुए की चाल कैसी थी?

क) गोल–गोल ख) तेज ग) धीमी

द) तालाब के किनारे अचानक कौन आ गया?

क) भालू ख) शेर ग) ऊँट

2. अक्षरों को सही करके लिखिए –

अ) ज/ह/ ग – ..... स) नी/शे/ र – .....

ब) ल/बा/ द – ..... द) की/खि/ड़ – .....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/AW4 **पठन एवं लेखन** **कहानी बोध**

शाला का नाम : ..... **रोल नं. :** .....

विद्यार्थी का नाम : ..... **दिनांक :** .....

1. चित्रों को क्रम से जमाकर वाक्य बनाइए –

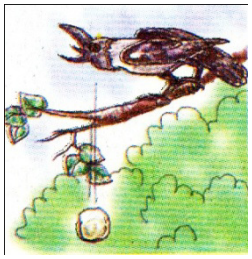

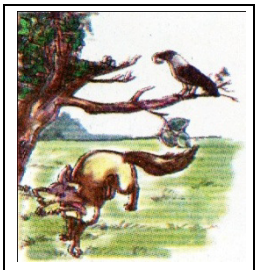

1. .....
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....

2. नीचे दिए शब्दों को क्रम से जमाकर सही वाक्य बनाइए–

(अ) आ / स्कूल / सोनम / है / रही

.....

(ब) है / बाजा / रहा / तोफिक / बजा

.....

(स) आम / बाजार / लाई / अंशु / से / है

.....

(द) गेंद / खेल / मोहन / से / रहा / है

.....

शिक्षक प्रतिपुष्टि : .....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/PW20 पठन एवं लेखन कहानी बोध

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

चित्रकथा को पढ़िए और समझिए –

बिल्ली के बच्चे

एक बिल्ली के तीन बच्चे थे। एक काला, एक भूरा और एक सफ़ेद। उन्होंने एक चूहा देखा.... और वे उसके पीछे भागे।	
	चूहा उचककर आटे के डिब्बे में कूद गया। एक–एक करके वे तीनों भी डिब्बे में कूद गए। लेकिन तब तक चूहा निकल भागा। तीनों बच्चे मायूस होकर डिब्बे से बाहर निकले। उन तीनों का रंग सफ़ेद हो गया था। बिल्ली के तीन सफ़ेद बच्चों को एक मेंढक दिखा। वे उसे पकड़ने दौड़े। मेंढक धुएँ के पाइप में घुस गया। वे तीनों भी पीछे–पीछे पाइप में घुस गए।
मेंढक पाइप के दूसरे सिरे से बाहर निकला... उसके पीछे निकले बिल्ली के तीन काले बच्चे। बिल्ली के काले बच्चों ने तालाब में एक मछली देखी... और उन्होंने तालाब में छलांग लगा दी।	
	मछली तैरकर दूर निकल गई। तीनों धुलकर तालाब से बाहर निकले और चल दिए वापस घर.....

जरा सोचकर लिखिए –

1. इस कहानी के और क्या–क्या नाम हो सकते हैं ?

....

2. अगर कभी आप भी किसी काले पाइप में घुस जाएँ तो क्या होगा?

.....

.....

.....

.....

3. आप घूमने कहाँ–कहाँ जाते हैं, और वहाँ क्या–क्या करते हैं?

.....

.....

.....

.....

4. आप कितने रंगों के नामों को जानते हैं ? उन रंगों की किसी एक चीज़ का नाम भी लिखिए–

रंग का नाम	चीज़ का नाम
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

दिनांक : .....

H/C3/PW21 **पठन एवं लेखन** **कहानी बोध**

शाला का नाम : ..... **रोल नं. :** ----------

विद्यार्थी का नाम : ..... **दिनांक :** ----------

कहानी को पढ़िए और समझिए –

म्याऊँ को चिट्ठी

रोशनी को एक पोस्ट–कार्ड मिला। उस पर उसने अपनी बिल्ली को चिट्ठी लिखी : 'प्यारी म्याऊँ! आज दूध फट गया। इसलिए तुम्हें खाने के लिए चूहे खोजने पड़ेंगे।' कासनी ने पोस्ट–कार्ड पर नाम की जगह लिखाः 'मिस म्याऊँ' और पते की जगह लिखा – 'दादाजी का छप्पर'।

1. इसका चित्र बनाइए –

1. रोशनी को क्या मिला ?

.....

2. रोशनी ने किसको चिट्ठी लिखी ?

.....

3. दूध कब फटा ?

.....

4. 'मिस म्याऊँ' किसका नाम होगा ?

.....

2. इनके जैसे और शब्द बनाकर लिखिए –

बिल्ली ....

जाना ....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C3/PW22 **पठन एवं लेखन** **संवाद बोध**

शाला का नाम : ---------- **रोल नं. :** ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- **दिनांक :** ----------

संवाद को शिक्षक के साथ पढ़िए और इसको कहानी की तरह अपने शब्दों में सुनाइए।

सूरज और चाँद चले आसमान

सूरज : अरे पानी भाई! कैसे हो ? बहुत दिनों से हमारे घर नहीं आए?

पानी : सूरज दादा क्या बताऊँ? आने का दिल तो बहुत करता है मगर क्या करूँ मेरे बहुत सारे दोस्त हैं। वे भी आपके घर आना चाहते हैं। पता नहीं आपके घर में हम सबके लिए जगह होगी भी या नहीं?

सूरज : लो यह भी भला कोई बात हुई! मैं एक बहुत बड़ा घर बनवा रहा हूँ। तुम अपने सभी दोस्तों को लेकर ज़रूर आना, अच्छा।

पानी : सूरज दादा मैं अपने दोस्तों के साथ अवश्य आऊँगा।

कुछ दिनों बाद

पानी : सूरज दादा! सूरज दादा! दरवाज़ा खोलिए। देखिए मैं और मेरे दोस्त आपसे और चंदा मामा से मिलने आए हैं।

सूरज :अरे वाह! पानी भाई आ गए? आओ मेरे नए घर में आपका स्वागत है।

चाँद : चलिए सूरज दादा! छत पर चलते हैं।

सूरज : अरे! पानी और उसके दौसत तो छत पर भी भर गए। अब कहाँ जाएँ?

चाँद : चलिए सूरज दादा ! हम आसमान पर चलें। वहाँ कोई नहीं होगा।

सूरज : हाँ, हाँ चलो। आसमान तो बड़ी अच्छी जगह है। एकदम खुली जगह।

(तब वे आसमान में ही रहने लगे।)

इस संवाद से आपके मन में जो चित्र बना है उसे यहाँ बनाइए –

अब आप भी चूहे और बिल्ली के बीच हो रही बातचीत को जरा सोचकर लिखिए–

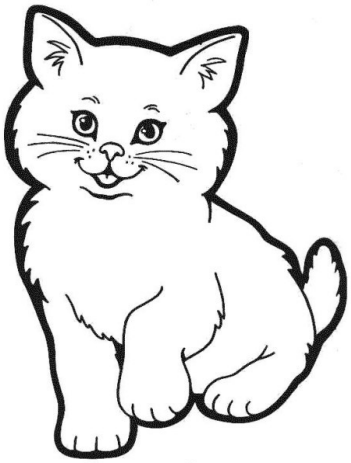

चूहा – अरे ! मौसी आप कब आई ?

बिल्ली – बस, छुटकू, तमने देखा तभी आई।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

नोट : शिक्षक पहले बच्चों से इस पर बातचीत करें। उसके बाद बच्चों को इस पर कार्य करने के लिए दें।

H/C3/AW5 **पठन एवं लेखन**

शाला का नाम : ..... **रोल नं. :** .....

विद्यार्थी का नाम : ..... **दिनांक :** .....

1. पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

दिल्ली से आया एक बिल्ला, नाम है उसका रंगीला।
मंद–मंद मुस्कान है उसकी, चश्मा है उसका चमकीला।
पंजाबी कुर्ता है उसका, और दुपट्टा हल्का पीला।

अ) बिल्ला कहाँ से आया ?

.....

ब) बिल्ले का क्या नाम है ?

.....

स) बिल्ले ने चमकीला क्या पहन रखा है ?

.....

द) उसके दुपट्टे का रंग कैसा है?

.....

2. चित्र देखकर कहानी लिखिए –

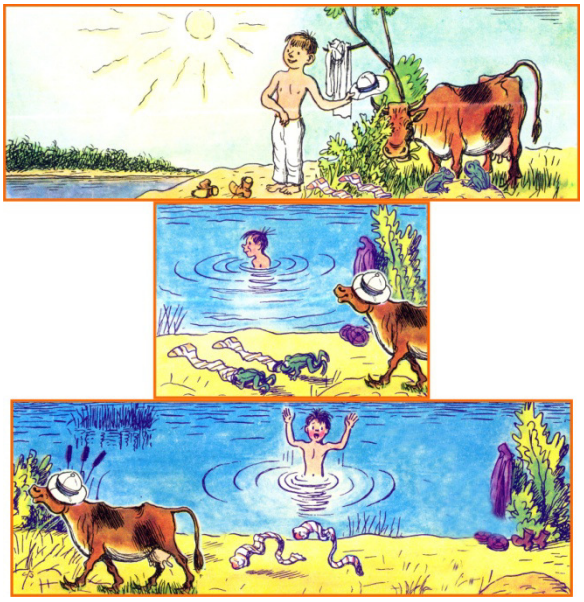

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

शिक्षक प्रतिपुष्टि : .....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....